Girls' High School and College, Prayagraj

Work Sheet No. 3

Session - (2020-21)

Class - 2 (A-F)

Subject - Hindi

Lesson - कोयल (कविता)

निर्देश - अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि बच्चे कविता को पढ़ें और याद करें। बच्चे कविता के अर्थ को भी पढ़ें, समझें और अभ्यास को ध्यानपूर्वक करें।

कोयल

मेरी कोयल काली-काली,
उड़ती है डाली-डाली।
कितनी है मतवाली,
मेरी कोयल काली-काली।

उड़े दूर गगन में,
गीत गाए वन-उपवन में।
उड़ उड़ कर बैठे डाली-डाली,
मेरी कोयल काली-काली।

मीठे सुर में है गाती,
सबका मन लुभाती,
पर कोयल है कहलाती,
मेरी कोयल काली-काली।

बच्चों! जब अपना मुँह खोलो,

तुम भी मीठी बोली बोलो।
तुम भी सुन पाओगे,
सबके प्यारे बन जाओगे।

कविता का अर्थ

कविता 'कोयल' में कोयल पक्षी के बारे में बताया गया है कोयल काले रंग की एक छोटी चिड़िया होती है जिसकी बोली बहुत मीठी होती है। कोयल बाग-बगीचों में, वनों में पेड़ों की डालियों पर बैठ कर जब अपने मधुर स्वर में कूकती (बोलती) है तो उसकी मीठी आवाज सुन कर सभी का मन खुशी से झूम उठता है। कोयल के मधुर स्वर सुन कर सभी बहुत प्रसन्न होते हैं। कविता के द्वारा बच्चों को यह शिक्षा दी गई है कि बच्चों को मीठी वाणी बोलनी चाहिए क्योंकि मीठी वाणी बोलने वाले बच्चे सभी का प्यार और स्नेह पाते हैं।

अभ्यास

प्र.1 निम्नलिखित शब्दार्थों को याद करिए :

	शब्द	अर्थ
	गगन	आकाश
1	उपवन	बगीचा
2	मधुर	मीठा
3	लुभाना	मोहना, रिझाना
4		

प्र०2 निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्दों को पढ़िए और याद करिए :

	शब्द	विलोम
1	गगन	धरा
2	सुख	दुख
3	अपना	पराया
4	मीठा	कड़वा

प्र०3 निम्नलिखित प्रश्न-उत्तर याद करिए :

1. कोयल का रंग कैसा होता है ?

उ० कोयल का रंग काला होता है।

2 कोयल कैसा गाती है ?

उ० कोमल मीठा गाती है।

3 'कोयल' कविता से क्या शिक्षा मिलती है ?

उ० 'कोयल' कविता से यह शिक्षा मिलती है कि सदैव मीठी वाणी बोलनी चाहिए।

END 3/3